

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

## प्रथमा विभक्ति : कर्त्ताकारक-मध्यम पुरुषः

### अभ्यासकण्ठी

(क) 'पठसि', 'पठथ', 'पठथ' के समान निम्नलिखित धातुओं के रूप बनाइए-

उत्तरम्- हस्	-	हससि,	हसथः	हसथ
धाव्	-	धावसि	धावथः	धावथ
क्रीड्	-	क्रीडसि	क्रीडथः	क्रीडथ
नम्	-	नमसि	नमथः	नमथ
पत्	-	पतसि	पतथः	पतथ

(ख) निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए-

उत्तरम्- तू	-	त्वम्,	तुम दो	-	युवाम्,	तुम	-	सब यूयम्
तुम दो छात्र	-	युवां छात्रों	तुम सब छात्र	-	यूयं छात्राः			

(ग) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. तुम सब सदा चलो।	2. तुम बालक हो।	3. क्या तुम हो?
4. तुम दोनों छात्र हो।	5. राधा! तुम हँसती हो।	

(घ) निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाएँ शुद्ध करके लिखिए-

उत्तरम्- 1. त्वं पठसि।	1. त्वं वीरः असि।
2. यूयं क्रीडथ।	2. युवां क्रीडथः।
3. यूयं पठाथ।	3. त्वं गच्छसि।
4. युवां क्रीडथ।	4. युवां पठथः।

(ङ) दी गई तालिका पूरी कीजिए-

उत्तरम्-	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
	सः	तौ	ते
	सा	ते	ताः
	तत्	ते	तानि
	त्वम्	युवाम्	यूयम्

(च) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. तवं पठसि। 2. युवां लिखथ। 3. यूयं लिखथ। 4. यूयं पश्यथ। 5. युवां क्रीडथ।

(छ) निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

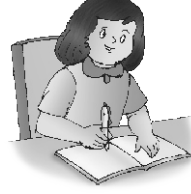
उत्तरम्- 1. तौ छात्रौ स्थः। 2. युवां बालिके स्थः। 3. यूयं छात्राः स्थ।  
4. युवां तत्र चलथः। 5. त्वं किं पठसि? 6. यूयं चित्रं पश्यथ।

(ज) दिए गए चित्रों को पहचानिए और उनके क्रियाएँ लिखिए-

उत्तरम्-



हससि



लिखसि



धावथ

तृतीय पाठः

3

## प्रथमा विभक्ति : कर्त्ताकारक-उत्तम पुरुषः

अभ्यासकण्ठी

(क) दी गई तालिका पूरी कीजिए-

उत्तरम्-	धातु	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
	हस्	हसामि	हसावः	हसामः
	नम्	नामामि	नमावः	नमामः
	क्रीड्	क्रीडामि	क्रीडावः	क्रीडामः
	धाव्	धावामि	धावावः	धावामः
	पठ्	पठामि	पठावः	पठामः
	अस्	अस्मि	स्वः	स्मः

(ख) 'क्रीडामि, क्रीडावः, क्रीडामः' के समान निम्नलिखित धातुओं के रूप लिखिए-

उत्तरम्- हस्	-	हसामि	हसावः	हसामः
नम्	-	नामामि	नमावः	नमामः
धाव्	-	धावामि	धावावः	धावामः
गर्ज्	-	गर्जामि	गर्जावः	गर्जामः
पठ्	-	पठामि	पठावः	पठामः
पत्	-	पतानि	पतावः	पतामः
चल्	-	चलामि	चलावः	चरामः

(ग) निम्नलिखित क्रियाओं से पहले उत्तम पुरुष के सही कर्त्ता का प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- अहं हसामि। वयं क्रीडामः। वयं धावामः। वयं पठामः।  
आवां लिखावः। अहं पतामि।

(घ) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. हम दोनों बालक हैं। 2. मैं बालक हूँ। 3. हम सब बालक हैं।  
4. हम सब रोज दौड़ते हैं। 5. इसलिए हम सब स्वस्थ हैं। 6. मैं भी दौड़ता हूँ।

(ङ) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. अहं रमेशः अस्मि। 2. आवां धावामः। 3. अहं छात्रः अस्मि।  
4. अहम् अध्यापकः अस्मि। 5. आवां क्रीडावः। 6. वयं छात्राः स्मः।  
7. वयम् उच्चैः हसामः।

(च) निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- 1. अहं नित्यं भ्रमासि। 2. आवां क्रीडावः। 3. अहं धावामि। 4. वयं चलामः।

चतुर्थ पाठः

4

## द्वितीया विभक्तिः - कर्मकारक

अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित शब्दों के द्वितीया विभक्ति के रूप लिखिए-

- उत्तरम्- अश्वः - अश्वम् अश्वौ अश्वान् बालकः - बालकम् बालकौ बालकान्  
चटका - चटकाम् चटके चटकाः छात्रा - छात्राम् छात्रे छात्राः  
पत्रम् - पत्रम् पत्रे पत्राणि पुष्पम् - पुष्पम् पुष्पे पुष्पाणि

(ख) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. छात्र पुस्तकें लेता है। 2. दो लड़के किताबें पढ़ते हैं। 3. छात्र अध्यापिका को नमन करती है।  
4. माली फलों को ले जाता है। 5. सुरेश रमेश और निदेश पाठ पढ़ते हैं। 6. राजेश दो लड्डू खाते हैं।

(ग) कोष्ठकगत शब्दों के उचित रूपों से रिक्त स्थान भरिए-

- उत्तरम्- 1. अध्यापकः पुस्तकें पठति। 2. मालाकारः मालां गुम्फति। 3. छात्रः अध्यापकं नमति।  
4. सुधा लेखं लिखति। 5. वयं पत्राणि लिखामः।

(घ) निम्नलिखित शब्दों के मूल शब्द, लिङ्ग, विभक्ति तथा वचन लिखिए-

उत्तरम्-	मूल शब्द	लिङ्ग	विभक्ति	वचन
	बालकौ	पुंलिङ्ग	द्वितीया	द्विवचनम्
	पत्राणि	नपुंसकलिङ्ग	द्वितीया	बहुवचनम्
	अश्वः	पुंलिङ्ग	प्रथमा	एकवचनम्
	पाठान्	पुंलिङ्ग	द्वितीया	बहुवचनम्
	मालाः	स्त्रीलिङ्ग	द्वितीया	बहुवचनम्

(ङ) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. बालकाः पाठं पठन्ति। 2. बालिका गीतं पठति।  
3. सुधा मोदके खादति। 4. छात्राः अध्यापकं नमन्ति।  
5. मोहनः पुस्तकं पठति।

(च) निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- 1. छात्रः लेखं लिखति।

2. बालाः पुस्तकं पठन्ति।

3. मालाकारः मालाः गुम्फति।

पञ्चम पाठः

5

## तृतीया विभक्ति : करणकारक

अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित शब्दों के 'तृतीया विभक्ति' के रूप लिखिए-

उत्तरम्- छात्रः	-	छात्रेण छात्राभ्याम् छात्रैः
गजः	-	गजेन गजाभ्याम् गजैः
अध्यापिका	-	अध्यापिकया अध्यापिकाभ्याम् अध्यापिकाभिः
लता	-	लतया लताभ्याम् लताभिः
पुस्तकम्	-	पुस्तकेन पुस्तकाभ्याम् पुस्तकैः
फलम्	-	फलेन फलाभ्याम् फलैः

(ख) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. मैं गेंद से खेलता हूँ।	2. हाथी पैरों से चलता है।	3. वे दोनों गेंद से खेलते हैं।
4. पिता पुत्र के साथ जाता है।	5. पेड़ की शोभा फूल से होती है।	

(ग) कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित रूपों से रिक्त स्थान भरिए-

उत्तरम्- 1. मालाकारः कलिकाभिः मालाः गुम्फन्ति।	2. श्यामः पादाभ्यां चलति।
3. सुधा रामेण सह गच्छति।	4. विभा हस्ताभ्यां नमति।
5. रमेशः सुरेश च रेलयानेन गच्छतः।	

(घ) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. छात्रः कन्दुकेन क्रीडति।	2. अहं मित्रैः सह क्रीडामि।	3. अहं नेत्राभ्यां पश्यामि।
4. अहं रथेन गच्छामि।	5. मालाकारः कलिकाभिः मालाः गुम्फति।	

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- 1. कन्दुकेन	-	बालः कन्दुकेन क्रीडति।
2. पुत्रेण	-	पिता पुत्रेण सह आपणं गच्छति।
3. पुष्पेण	-	मालाकारः पुष्पेण माला गुम्फति।
4. मुखेन	-	बालः मुखेन खादति।
5. पृष्ठेन	-	गर्दभः पृष्ठेन भारं वहति।

(च) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- कन्दुकेन	-	गेंद से	कलिकया	-	कली से
नेत्रेन	-	आँख से	हस्तेन	-	हाथ से
रथेन	-	रथ से	पादेन	-	पाप से

## चतुर्थी विभक्ति : (सम्प्रदान कारक)

### अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित शब्दों के चतुर्थी विभक्ति रूप लिखिए-

उत्तरम्- जनकः	-	जनकाय जनकाभ्याम् जनकेभ्यः
धनिकः	-	धनिकाय धनिकाभ्याम् धनिकेभ्यः
फलम्	-	फलाय फलाभ्याम् फलेभ्यः
सुधा	-	सुधायै सुधाभ्याम् सुधाभ्यः
अध्यापिका	-	अध्यापिकायै अध्यापिकाभ्याम् अध्यापिकाभ्या

(ख) निम्नलिखित में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. सुधा पुत्र के लिए भोजन पकाती है।	2. पिता पुत्रों को फल देते हैं।
3. छात्रा फूलों के लिए वन जाती है।	4. सीता, गीता और रमा फूलों के लिए दुकान को जाती हैं।
5. धनी सेवकों को धन देता है।	6. लोग भोजन के लिए यहाँ आते हैं।

(ग) कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित रूपों से रिक्त स्थान भरिए-

उत्तरम्- 1. सेवकः धनिकाय भोजनम् आनयति।	2. धनिकः याचकाय वस्त्रं यच्छति।
3. अध्यापिका छात्राभ्यः पुस्तकानि यच्छति।	4. जनकः पुत्राय फलानि आनयति।
5. वृक्षाः परोपकाराय एव फलन्ति।	

(घ) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. धनिकः सेवकाभ्यां धनं यच्छति।	2. अहं पठनाय विद्यालयं गच्छामि।	3. माता पुत्राय मोदकं ददाति।
4. राधा सुधायै भोजनं पचति।	5. वृक्षः परोपकाराय फलति।	

(ङ) दी गई तालिका को पूरा कीजिए-

उत्तरम्-	शब्द	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
	जनक	जनकाय	जनकाभ्याम्	जनकेभ्यः
	छात्र	छात्राय	छात्राभ्याम्	छात्रेभ्यः
	धन	धनाय	धनाभ्याम्	धनेभ्यः
	गृह	गृहाय	गृहाभ्याम्	गृहेभ्यः
	राम	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
	सेवक	सेवकाय	सेवकाभ्याम्	सेवकेभ्यः
	लता	लतायै	लताभ्याम्	लताभ्यः
	भार्या	भार्यायै	भार्याभ्याम्	भार्याभ्यः

## पञ्चमी विभक्तिः - अपादान कारक

## अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित शब्दों के पञ्चमी विभक्ति के रूप लिखिए-

उत्तरम्- वृक्षः	-	वृक्षात् वृक्षाभ्याम् वृक्षेभ्यः
अश्वः	-	अश्वात् अश्वाभ्याम् अश्वेभ्यः
अध्यापिका	-	अध्यापिकायाः अध्यापिकाभ्याम् अध्यापिकाभ्यः
सुता	-	सुतायाः सुताभ्याम् सुताभ्यः
पुस्तकम्	-	पुस्तकात् पुस्तकाभ्याम् पुस्तकेभ्यः
जलम्	-	जलात् जलाभ्याम् जलेभ्यः

(ख) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. विजय घर से विद्यालय जाता है।	2. सुरेश खेल के मैदान से दुकान को जाता है।
3. पेड़ों से फल गिरते हैं।	4. तुम दोनों घोड़ों से गिरते हो।
5. भक्त मंदिर से प्रसाद लाता है।	

(ग) कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित रूपों से रिक्त स्थान भरिए-

उत्तरम्- 1. अहम् अध्यापिकायाः पाठं पठामि।	2. छात्र गृहात् विद्यालयं गच्छति।
3. रामः अम्बायै मोदकौ आनयति।	4. पुष्पाणि शाखाभ्यः पतन्ति।
5. दुग्धात् घृतं भवति।	6. शशकः सिंहात् त्रस्यति।

(घ) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. शशकः सिंहात् बिकेति।	2. ते अश्वेभ्यः पतन्ति।
3. छात्राः गृहात् विद्यालयं गच्छन्ति।	4. भक्ताः मन्दिरात् प्रसादम् आनयन्ति।
5. लोभः पापस्य कारण अस्ति।	

(ङ) रंगीन शब्दों के लिंग, विभक्ति तथा वचन लिखिए-

उत्तरम्- 1. नपुंसकलिङ्गः	तृतीया	एकवचनम्	2. पुंलिङ्गः	पञ्चमी	द्विवचनम्
3. नपुंसकलिङ्गः	द्वितीया	बहुवचनम्	4. सत्रीलिङ्गः	पञ्चमी	एकवचनम्
5. नपुंसकलिङ्गः	चतुर्थी	एकवचनम्	6. सत्रीलिङ्गः	प्रथमा	एकवचनम्

(च) हिंदी और अंग्रेजी में निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- शब्द	हिन्दी	अंग्रेजी
गर्दभः	गधा	donkey
मोदकानि	बहुत से लड्डू	many laddoos
सेवकेभ्यः	सेवकों से	from servants
छुरिका	चाकू	knife
कन्दुकेन	गेंद से	by ball
मालाकारः	माली	gardner

## षष्ठी विभक्ति : (सम्बन्ध कारक)

## अभ्यासकण्ठी

(क) नीचे दिए गए चित्रों को देखिए तथा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- 1. धर्मस्य सदा जयः भवति। 2. वानरः वृक्षस्य फलानि खादति।  
3. छात्रा शाखयोः पुष्पाणि आनयति। 4. हस्तयोः रक्तः वर्णः अस्ति।  
5. मेघानां वर्णः श्यामः अस्ति।

(ख) कोष्ठक में दिए गए शब्द में षष्ठी विभक्ति लगाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- 1. रमेशः शाखायाः पुष्पाणि आनयति। 2. धर्मस्य जयः भवति।  
3. अहं फलानां रसं पिबामि। 4. हंसस्य वर्णः श्वेतः भवति।  
5. ग्रामस्य बालाः विद्यालयं गच्छन्ति।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाएँ शुद्ध करके लिखिए-

- उत्तरम्- 1. सुधा सोहनाय फले यच्छति। 2. अहम् आपणं गच्छामि। 3. अम्बा भोजनं पचति।  
4. त्वं लेखं लिखसि। 5. आवां दुग्धं पिबावः। 6. राघवेन्द्रः पठनाय विद्यालयं गच्छति।

(घ) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. वानरः वृक्षस्य फलं खादति। 2. ग्रामस्य बालकाः क्रीडन्ति। 3. हस्तयोः वर्णः रक्तः अस्ति।  
4. अहं फलस्य रसं पिबामि। 5. हंसस्य वर्णः श्वेतः अस्ति। 6. धर्मस्य जयः भवति।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के षष्ठी विभक्ति के रूप लिखिए-

- उत्तरम्- वानरः - वानरस्य वानरयोः वानराणाम् देवः - देवस्य देवयोः देवानाम्  
शाखा - शाखायाः शाखयोः शाखानाम् निशा - निशायाः निशयोः निशानाम्  
फलम् - फलस्य फलयोः फलानाम् मित्रम् - मित्रस्य मित्रयोः मित्राणाम्

(च) पाठ में दिए गए श्लोक को कंठस्थ कीजिए-

उत्तरम्- छात्र स्वयं करें।

## सप्तमी विभक्तिः - (अधिकरण कारक)

## अभ्यासकण्ठी

(क) कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उचित रूप से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- 1. अम्बा देवालयेषु देवान् नमति। 2. वृक्षेषु बहवः खगाः कूजन्ति। 3. तडागस्य तटे बहवः बकाः तिष्ठन्ति।  
4. आश्रमे तापसाः ईश्वरं भजन्ति। 5. कमलेषु सुगन्धः भवति।

(ख) हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. छात्र विद्यालयों में पढ़ते हैं। 2. पक्षी घोंसलों में रहते हैं। 3. हाथी वन में घूमते हैं।

4. चाँद में कलंक है।

5. वन में तपस्वियों के आश्रम हैं।

6. जीव तालाब में पानी पीते हैं।

(ग) संस्कृत में अनुवाद कीजिए

उत्तरम्- 1. वयं गृहेषु वसामः।

2. तडागे कमलानि सन्ति।

3. चटकाः नीडेषु वसन्ति।

4. मयूराः वने नृत्यन्ति।

5. गजाः वने भ्रमन्ति।

6. वयं विद्यालये पठामः।

(घ) दी गई तालिका पूरी कीजिए-

उत्तरम्-	शब्द	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
	खग	खगे	खगयोः	खगेषु
	हस्त	हस्ते	हस्तयोः	हस्तेषु
	पुस्तक	पुस्तके	पुस्तकयोः	पुस्तकेषु
	मित्र	मित्रे	मित्रयोः	मित्रेषु
	माला	मालायाम्	मालयोः	मालानु
	सरिता	सरितायाम्	सरितयोः	सरितसु

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के सप्तमी विभक्ति के रूप लिखिए-

उत्तरम्- खगः	-	खगे खगयोः खगेषु
वृक्षः	-	वृक्षे वृक्षयोः वृक्षेषु
वाटिका	-	वाटिकायाम् वाटिकयोः वाटिकासु
चटका	-	चटकायाम् चटकयोः चटकासु
गृहम्	-	गृहे गृहयोः गृहेषु
आपणम्	-	आपणे आपणयोः आपणेषु

दशमः पाठः

10

सम्बोधन कारक

अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए-

उत्तरम्-	1. ऋतवः भवन्ति; तेषां नामानि सन्तिवसन्त, ग्रीष्म, वर्षा शब्द हेमन्त शिशिरश्चेति।
	2. रमेशस्य गृहे जन्मोत्सवः अस्ति।
	3. वसन्तऋतौ वृक्षेषु नवनानि पत्राणि प्रभवन्ति?
	4. मातृ-पितृ भक्तिः लाभकारी भविष्यति।
	5. वसन्त ऋतौ वातावरणः मनोहरः भवति।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्-	1. आम् श्रीमन्! सर्वे छात्राः उपस्थितासन्तु।	2. श्रीमन्! रमेशस्य गृहे अद्य जन्मोत्सवः।
	3. सर्वत्र प्रसन्नता एवं प्रसन्नता प्रसरति।	4. आचार्यवर्यः! वयं अग्रे किं पठिष्यामः?
	5. यतः सदाचारी सर्वदा सुखी भवति।	



(ग) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. हे राम! अत्र आगच्छ।  
3. हे छात्रो! यूयं विद्यालयं गच्छत।

2. हे बालकौ! युवां किं लिखतः।  
3. हे अध्यापक! अहं पत्रं लिखामि।

(घ) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. सभी छात्र उपस्थित हो?  
3. सभी छात्र हँसते हैं।  
5. सभी जगह सुगंधित हवा बहती है।

2. आज रमेश दिखाई नहीं दे रहा है।  
4. रमेश के घर में आज जन्मोत्सव है।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- 1. लाभकारी मातृ-पिता भक्ति सर्वदा लाभकारी भवति।  
3. प्रसन्नता वसन्त ऋतौ सर्वत्र प्रसन्नता एव प्रसन्नता प्रसरति।

2. आप्नेषु आप्नेषु मञ्जर्याः विकसन्ति।

सकादशः पाठः

11

## विज्ञानस्य चमत्कारः

अभ्यासकण्ठी

(क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- 1. एतत् विज्ञानस्य युगम्।  
2. दूरे अन्येषु नगरेषु देशेषु वा अपि स्थिताः जनाः दूरभाषेण परस्परं वार्तालापं कुर्वन्ति।  
3. वायुयानां स्थित्वा जनः खगः इव आकाशे उत्पत्ति, अल्पे एव समये च स्वं गन्तव्यं विदन्ति।  
4. चिकित्सायाः क्षेत्रे अपि वयं विज्ञानस्य चमत्कारान् सर्वत्र पश्यामः।

(ख) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. एतत् विज्ञानस्य युगम् अस्ति। 2. एतत् शीतक यन्त्रम् अस्ति। 3. एतत् दूरभाषम् अस्ति।  
4. एतत् दूरदर्शनम् अस्ति।

(ग) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. यह रेफ्रिजरेटर है।  
2. इसकी गति हवाई जहाज से भी बहुत तीव्र है।  
3. चिकित्सा के क्षेत्र में भी हम विज्ञान के चमत्कार सब जगह देखते हैं।  
4. यह रॉकेट है।

(घ) सही वाक्य के आगे (3) तथा गलत वाक्य के आगे (7) का चिह्न लगाइए-

उत्तरम्- 1. (3) 2. (7) 3. (3) 4. (3) 5. (3)।

(ङ) इन यंत्रों का संस्कृति में एक-एक उपयोग लिखिए-

उत्तरम्- 1. शीतकाम् शीतक यन्त्रे स्थापितानि वस्तूनि शीतलानि भवन्ति।  
2. दूरदर्शनम् दूरदर्शनम् अस्मान् विविधाः धष्टनाः दर्शयति।  
3. दूरभाषम् वयं दूरभाषेण परस्परं दूरे स्थितोऽपि वार्तालापं कर्तुं शक्नुमः।  
4. रॉकेट-यन्त्रम् रॉकेट यन्त्रं द्रुतगत्या उड्डयते।

(च) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ हिन्दी में लिखिए

उत्तरम्- 1. द्रुततरा ज्यादा तेज 2. सर्वत्र: सब जगह 3. अल्प कम 4. गन्तव्यम् लक्ष्य-स्थान

(छ) संस्कृत में नाम लिखिए-

उत्तरम्- 1. टेलिविजन दूरदर्शनम् 2. टेलिफोन दूरभाषम् 3. हवाई जहाज वायुयानम्  
4. रेफ्रिजरेटर शीतक यन्त्रम् 5. रॉकेट रॉकेट यन्त्रम् 6. चाल गति:

द्वादशः पाठः

12

स्वास्थ्य रक्षाः

अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए

उत्तरम्- 1. जनाः सुखं वाञ्छन्ति। 2. नहीं, जनाः मुहुर्मुहुः खादेयुः। 3. आम् बालकाः देशम् उन्नयेयुः।  
4. स्वस्थाः धनम् अर्जन्ति। 5. आम् वृद्धाः अपि व्यायामं कुर्युः।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- 1. समये एव च क्रीडेत्। 2. त्वं निर्मलं वस्त्रं धारये। 3. यूयं सदा सूर्योदयात् प्राक् उत्तिष्ठेत्।  
4. ईश-वन्दनाया हृदयं शुद्धं भवति। 5. मुहुर्मुहुः न खादेयुः।

(ग) हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. क्या बूढ़े भी व्यायाम करें? 2. क्या लोग ईश्वर को भी पूजें। 3. स्वस्थ लोग धन कमाते हैं।  
4. इसके बाद निर्मल वस्त्र पहनें। 5. सभी लोग सुख चाहते हैं।

(घ) दिए गए शब्दों को मिलाकर वाक्य बनाइए-

उत्तरम्—	खंड 'अ'	खंड 'ब'	खंड 'स'
1. सर्वत्र	देशम्	उन्नयन्ति	
2. ते एष	जनाः	सुखं वाञ्छन्ति	
3. किं वृद्धाः	अपि व्यायाम्	कुर्यात्।	
4. समये	एव शयनम्	कुर्युः?	

1. सर्वत्र जनाः सुखं वाञ्छन्ति। 2. ते एक देशम् उन्नयन्ति।  
3. किं वृद्धा अपि व्यायामं कुर्युः। 4. समये एव शयनं कुर्यात्।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तरम्- 1. सुखम् अस्मिन् संसारे सर्वे सुखं वाञ्छन्ति।  
2. स्नानम् प्रातः निर्मलेन जलेन स्नानं कुर्वन्तु।  
3. हृदयम् ईश-वन्दनाया हृदयं शुद्धं भवति।

(च) निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखिए-

उत्तरम्- 1. अर्ज कमाना 2. समर्थः समर्थ 3. धावनम् दौड़ना 4. प्राक् पहले  
5. मुहुर्मुहुः बार-बार 6. शयनम् सोना

## अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- 1. वानरस्य मैत्री मकरेण सह अभवत्। 2. वानरः जम्बूवृक्षे वसति स्म।  
 3. मकरी मकरम् अकथयत् यत् तस्य वानरस्य हृदयम् आनीय मह्यं देहि।  
 4. वृक्षमारुह्य वानरः अवदत् यत् मूर्ख! अपि हृदयं शरीरात् पृथक् भवति? गच्छ, आवयोः मैत्री समाप्ता।  
 5. वानर मकरयोः मैत्री समाप्ता।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-

- उत्तरम्- 1. शीला तस्य पुत्री अस्ति। 2. सः बहूनि फलानि आनयत्।  
 3. ते तत्र क्रीडन्ति। 4. सर्वे शिशवः नृत्यन्ति।

(ग) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. नदीतटे एकः जम्बूवृक्षः आसीत्। 2. वृक्षे एकः वानरः वसति स्म।  
 3. मकरः वानरस्य मित्रम् आसीत्। 4. मम पृष्ठे उपविश।

(घ) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. वह मीठे जामुन रोज खाता था। 2. उस नदी में एक मगरमच्छ रहता था।  
 3. मैं तुम्हें वहाँ ले चलता हूँ। 4. मूर्ख मगरमच्छ उसे फिर नदी के किनारे ले आया।

(ङ) निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

- उत्तरम्- 1. मकरः नद्याम् एक मकरः आसीत्। 2. भार्या तस्य भार्या दुष्ट प्रवृत्त्याः आसीत्।  
 3. फलानि वृक्षस्य फलानि मधुराणि आसन्। 4. प्रतिदिनम् वानरः प्रतिदिनं मकराय जम्बूफलानि यच्छति स्म।

(च) निम्नलिखित धातुओं में क्त्वा (त्वा) प्रत्यय लगाकर अर्थ लिखिए-

उत्तरम्-	धातु	प्रत्यय	रूप	अर्थ
	पठ	त्वा	पठित्वा	पढ़कर
	गम्	त्वा	गत्वा	जाकर
	हस्	त्वा	हसित्वा	हँसकर
	पिब	त्वा	पीत्वा	पीकर

(छ) निम्नलिखित में संधि कीजिए-

- उत्तरम्- 1. अति + इव - अतीव  
 2. विद्या + आगमः - विद्यागमः

## अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- 1. गङ्गा विश्वस्य सर्वासु नदीषु श्रेष्ठा, पवित्रा पूज्या च नदी अस्ति।  
 2. गङ्गायाः जलं शीतलं, पवित्रं स्वच्छं च भवति।  
 3. राजा भगीरथो नाम्नः गङ्गा 'भागीरथी' इति नाम्ना प्रसिद्धाऽस्ति।  
 4. भारतस्य निवासिनः पर्वेषु गङ्गायाः जले आत्मानं पावयन्ति देवानां च पूजयौ मन्दिरेषु च यन्ति।

(ख) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में उपयुक्त विभक्ति लगाकर रिक्त स्थान भरिए-

- उत्तरम्- 1. नदीषु गङ्गां श्रेष्ठा अस्ति। 2. गङ्गायाः जलं मधुरं भवति।  
 3. भारते बहूनि तीर्थस्थानानि सन्ति। 4. ते पूजायै मन्दिरेषु यान्ति।  
 5. संसारस्य सर्वासु नदीषु गङ्गा श्रेष्ठा पवित्रा, पूज्या च नदी अस्ति।

(ग) निम्नलिखित को हिंदी/अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- हिन्दी- हरिद्वार, प्रयाग और वाराणसी में लोग गंगा के जल में मृतकों की अस्थियाँ फेंकते हैं, मानते हैं कि इससे मनुष्य की मुक्ति होती है और स्वर्ग को प्राप्त करता है।

अंग्रेजी- People throw the ashes of deads in water of Ganga in Haridwar, Prayag and Varanasi. It is believed that by this soul get freedom and it goes to heaven.

(घ) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. विश्वस्य सर्वासु नदीषु गंगा नदी पवित्रा अस्ति। 2. गङ्गा हिमालयस्यः गङ्गोत्री नामकान्य स्थानात् निर्गच्छति।  
 3. गङ्गायाः जलेन विद्युत् अपि जायते। 4. गङ्गा; प्रदूषणेन सर्वदा रक्षणीया।  
 5. महापर्वणि अस्याः तटे जनानां सम्मर्दः भवति।

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-

- उत्तरम्- 1. एषा गङ्गा अस्ति। 2. गङ्गायाः जलं पवित्रं भवति।  
 3. गङ्गायै नमः। 4. गङ्गां भगीरथः भूमौ असयत्।

(च) निम्नलिखित शब्दों में तल् प्रत्यय जोड़िए-

उत्तरम्- जन	+	तल्	=	जनता
पशु	+	तल्	=	पशुता
शिशु	+	तल्	=	शिशुता
मानव	+	तल्	=	मानवता
लघु	+	तल्	=	लघुता
उपयोगी	+	तल्	=	उपयोगिता
महान्	+	तल्	=	महानता

पञ्चदशः पाठः

15

ऋतु वसन्तः

## अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- 1. अस्माकं देशे षट ऋतवः भवन्ति। 2. वसन्तस्य पर्यायवाचकाः शब्दाः सन्तिऋतुराजाः कुसुमाकरः कुसुमायुधश्च।  
3. अस्मिन् ऋतौ दिशः स्वच्छाः प्रसन्नाः इव भवन्ति।  
4. पिकाः मधुरं कूजन्ति। 5. मधुषाः पुष्पाणामुपरि प्रियाभिः सह आनन्देन गुञ्जन्ति।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- 1. वसन्तः ऋतुराजः अस्ति। 2. वसन्तस्य स्वागतं सर्वजनाः अति आनन्देन कुर्वन्ति।  
3. वसन्ते आकाशः अति निर्मलः भवति। 4. वृक्षेषु नवपल्लाः सर्वेषां मनांसि आकर्षयन्ति।  
5. वसन्ते मधुनः अधिक्यं भवति।

(ग) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. कुसुमाकरः वसन्तस्य पर्यायवाची शब्दः अस्ति। 2. वसन्त ऋतौ सर्वत्र स्वच्छता दृश्यते।  
3. सर्वे जनाः वसन्तस्य स्वागतं कुर्वन्ति। 4. वसन्त ऋतौ वातावरणं रमणीयं भवति।

(घ) हिंदी में अनुवाद कीजिए

- उत्तरम्- 1. बसंत में मंद और शीतल हवा बहती है। 2. उनमें वसंत ऋतु ऋतुराजा है।  
3. वसंत के मौसम में फूल खिलते हैं। 4. वसंत में आकाश बहुत स्वच्छ होता है।  
5. पक्षियों चहचहाहट भी सुखदायक होती है।

(ङ) संधि कीजिए-

- उत्तरम्- 1. सु + आगतम् = स्वागतम् 2. तथा + अपि = तथापि  
3. चर + अचरम् = चराचरम् 4. कुसुम + आकर = कुसुमाकरः

बोडिशः पाठः

16

पिपासा काकः

अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- 1. पिपासया आकुलः काकः आसीत्। 2. काकः दूरे-दूरे जलं नालभत्।  
3. घटे बहुदूरे जलम् आसीत्। 4. काकः जलम् अपिबत्?  
5. काकः घरे पाषाण खण्डान् अक्षिपत्।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- 1. काकः पिपासया आकुलः आसीत्। 2. सहसा एकं घटं दृष्टवान्। 3. घटे जलम् अल्पम् आसीत्।  
4. सः काकः सफलताम् अलभत्। 5. जलं शनैः शनैः घटकण्ठं सम्प्रातम्।

(ग) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. काकः पिपासितः आसीत्। 2. सः ग्रामे-ग्रामे अगच्छत्। 3. घटे जलं नासीत्।  
4. सः सन्तुष्टः अभवत्। 5. सः दूरात् पाषाणखण्डान् आनयत्।

(घ) हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. अचानक एक घड़ा देखा। 2. कौआ प्यास से बेचैन हो गया। 3. वह गाँव-गाँव घूमा।  
4. वह पानी पीकर संतुष्ट हो गया। 5. उसे दूर-दूर तक पानी नहीं मिला।

(ङ) संधि विच्छेद कीजिए-

उत्तरम्- 1. नालभत् = न + अलभत्  
2. अतीव = अति + इव

3. अवश्यमेव = अवश्यम् + एव  
4. सदैव = सदा + एव

(च) सही उत्तर छाँटकर लिखिए-

उत्तरम्- 1. (iii) काकः। 2. (ii) जलम्। 3. (ii) काकः। 4. (i) घटम्।

(छ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए-

उत्तरम्- 1. सः ग्रामम् अगच्छत। 2. काकः जलं पिबति। 3. सः पिपासया आकुलः आसीत्।  
4. काकः वृक्षे अस्ति। 5. तत्र एकः घटः आसीत्।

सप्तदशः पाठः

17

प्रयागनगरम्

अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्न संस्कृत में बनाइए-

उत्तरम्- 1. किम् अति प्रसिद्धम् अस्ति। 2. कः कस्य विषये च किञ्चिद् लिखति।  
3. इदं स्थानं केन नाम्ना प्रसिद्धम् अस्ति। 4. त्रिवेणीसंगमे किं भवति।  
5. कः प्रयागनगरे जन्म गृहीतवान्।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

उत्तरम्- 1. भारतवर्षस्य सर्वेषु मुख्यनगरेषु प्रयागनगरं सर्वश्रेष्ठं वर्तते।  
2. अत्र हि गंगायमुना सरस्वती नदीनां संगमः अस्ति।  
3. अत्र त्रिवेणी संगमे प्रतिवर्षं माघमेला भवति।  
4. द्वादशवर्षानन्तरम् अत्र कुम्भमेला आयोजितं भवति।  
5. अस्मिन्नेव नगरे महामनामदनमोहनमालवीय जन्म गृहीतवान्।

(ग) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- 1. मदनमोहन मालवीयस्य जन्म प्रयागनगरे अभवत्। 2. अस्माकं देशस्य नाम भारतवर्षः अस्ति।  
3. अहं प्रयाग विषये किमपि लिखामि। 4. अत्र त्रिवेणी संगमे माघमेला भवति।

(घ) द्वितीय अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

उत्तरम्- भारतवर्ष के सभी नगरों में प्रयागनगर (इलाहाबाद) सर्वश्रेष्ठ है। यह नगर त्रिवेणी संगम पर स्थित है, यही पर गंगा, यमुना, और सरस्वती नदी का संगम होता है। इसलिए यह स्थान त्रिवेणी संगम नाम से मशहूर है। गंगा यमुना के बीच में स्थित प्रयाग नगर सभी तीर्थों में प्रसिद्ध और पवित्र है इसलिए यह 'तीर्थराज' के नाम में भी प्रसिद्ध है।

अष्टदशः पाठः

18

प्रयागनगरम्

## अभ्यासकण्ठी

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए-

- उत्तरम्- 1. दीपावली उत्सवः कार्तिक मासस्य अमावस्यायां भवति।  
2. अयोध्यावासिनः दीपानाम् अवलीं प्रज्वाल्य रामस्य अभिनन्दनम् अकुर्वन्।  
3. जना दीपान् प्रज्वालय गृहेषु मन्दिरेषु द्वारेषु च स्थापयन्ति।  
4. अस्मिन् दिने देवी लक्ष्म्याः पूजनं क्रियते।  
5. अविद्यान्धकारं विनाश्य स्वजीवने ज्ञानस्य प्रकाशं कुर्यात् इति अस्य उत्सवस्य सन्देशः अस्ति।

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- उत्तरम्- 1. अस्माकं भारतवर्षः उत्सवाणां पर्वणां च देशः वर्तते। 2. इदं पर्व कार्तिक मासस्य अमावस्यायां भवति।  
3. अस्मिन् दिने लक्ष्म्याः पूजनं भवति। 4. सुधाधवलितानि गृहणि नवधूरिभ भासन्ते।  
5. अयम् उत्सवः हर्षोल्लासं जनयति।

(ग) संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- 1. अस्माकं भारतवर्षः उत्सवाणां देशः अस्ति। 2. दीपावली उत्सवः कार्तिक मासस्य अमावस्यायां भवति।  
3. अस्मिन् दिने गणेशेन सह लक्ष्म्याः पूजनं भवति। 4. बालकाः अस्मिन् दिने प्रसन्नाः भवन्ति।  
5. दीपावली अंधकारस्य उपरि प्रकाशस्य विषयस्य पर्व अस्ति।

(घ) प्रथम अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए-

- उत्तरम्- हमारा भारतवर्ष त्योहारों और पर्वों का देश है। यहाँ प्रचलित महोत्सवों में दीपमालिका (दीपावली) का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। ऐसा सुना जाता है कि इसी दिन में युग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचन्द्र पिता की आज्ञा का पालन करते हुए, चौदहवर्ष तक वन में रहकर, राक्षसराज रावण को मारकर सीता और लक्ष्मण के साथ वापस लौटे। तब अयोध्यावासियों दीपों की पंक्ति जलकर उनका अभिनंदन किया था। इसलिए यह पर्व दीपावली नाम से मनाया जाता है।  
यह पर्व कार्तिक मास की अमावस्या को होता है।